Raj Express (Indore), 27th May 2026, Page- 04

आयोजन

राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समरसता और आपसी सहयोग को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

झारखंड से आए युवाओं का मध्यप्रदेश का सांस्कृतिक सफर

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

भारत सरकार की एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) पहल के अंतर्गत आयोजित युवा संगम चरण-5 के तहत झारखंड से आए युवा प्रतिनिधियों के दल का आईआईटी इंदौर में उत्साहपूर्ण स्वागत किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य देश के विभिन्न राज्यों के युवाओं के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, राष्ट्रीय एकता और आपसी समझ को सशक्त बनाना है। इस चरण में मध्य प्रदेश और झारखंड को साझेदार राज्यों के रूप में शामिल किया गया है। झारखंड की ओर से आईआईटी (इंडियन

स्कूल ऑफ माइंस) धनबाद नोडल संस्थान की भूमिका निभा रहा है, जबकि मध्य प्रदेश में आयोजन की जिम्मेदारी आईआईटी इंदौर निभा रहा है। पूरे कार्यक्रम को युवाओं के बीच राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समरसता और आपसी सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

आज से सप्ताहभर होना है कार्यक्रम का आयोजन

27 मई से 2 जून तक चलने वाले इस सप्ताहभर के कार्यक्रम में प्रतिनिधिमंडल मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और औद्योगिक विरासत से परिचित होगा। इस दौरान प्रतिभागी महेश्वर सहित इंदौर के प्रमुख स्थलों, इंदौर नगर निगम के रीसायकल सेंटर, इंद्र भवन, 56 दुकान, लालबाग पैलेस और राजवाड़ा पैलेस का भ्रमण करेंगे। इसके अलावा प्रतिनिधिमंडल मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र व उज्जैन का दौरा करेगा। कार्यक्रम में सिमरोल ग्राम में ग्रामीण जीवन अनुभव यात्रा, सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ इंडियन लैंग्वेज की ओर से आयोजित शास्त्रीय भाषा कार्यशाला, आईआईएम इंदौर का शैक्षणिक भ्रमण व आईआईटी इंदौर का संस्थागत दौरा भी शामिल है। आईआईटी इंदौर की ओर से पूरे कार्यक्रम का समन्वयन व संचालन किया जा रहा है।

पांच पी आधारित है कार्यक्रम: युवा संगम कार्यक्रम के माध्यम से देशभर के युवाओं को विभिन्न राज्यों की संस्कृति, भाषा, परंपराओं, विकास मॉडल और जीवनशैली को करीब से जानने और समझने का अवसर प्रदान किया जाता है। यह कार्यक्रम पांच पी- पर्यटन, परंपरा, प्रगति, प्रौद्योगिकी और परस्पर संपर्क की अवधारणा पर आधारित है।

24 पुरुष और 13 महिला युवा प्रतिनिधि: झारखंड से आए प्रतिनिधिमंडल में 24 पुरुष और 13 महिला युवा प्रतिनिधि शामिल हैं। इनके साथ विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले 6 समन्वयक भी आए हैं। अधिकांश प्रतिभागी देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत स्नातक स्तर के विद्यार्थी हैं।